



Deepak sadana

09 Feb 2000

11:20 AM

Jalandhar

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 121095401

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 121095401

Date: 29/01/2026

लिंग _____:	पुल्लिंग	दादा का नाम _____:	
जन्म तिथि _____:	09/02/2000	पिता का नाम _____:	
दिन _____:	बुधवार	माता का नाम _____:	
जन्म समय _____:	11:20:00 घंटे	जाति _____:	
इष्ट _____:	10:11:35 घटी	गोत्र _____:	
स्थान _____:	Jalandhar	चैत्रादि संवत / शक _____:	2056 / 1921
राज्य _____:	Punjab	मास _____:	माघ
देश _____:	India	पक्ष _____:	शुक्ल
अक्षांश _____:	31:19:00 उत्तर	सूर्योदय कालीन तिथि _____:	4
रेखांश _____:	75:34:00 पूर्व	तिथि समाप्ति काल _____:	20:44:00
मध्य रेखांश _____:	82:30:00 पूर्व	जन्म तिथि _____:	4
स्थानिक संस्कार _____:	-00:27:44 घंटे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____:	उ०भाद्रपद
ग्रीष्म संस्कार _____:	00:00:00 घंटे	नक्षत्र समाप्ति काल _____:	24:59:25 घंटे
स्थानिक समय _____:	10:52:16 घंटे	जन्म नक्षत्र _____:	उ०भाद्रपद
वेलान्तर _____:	-00:14:14 घंटे	सूर्योदय कालीन योग _____:	सिद्ध
साम्पातिक काल _____:	20:06:51 घंटे	योग समाप्ति काल _____:	19:38:50 घंटे
सूर्योदय _____:	07:15:21 घंटे	जन्म योग _____:	सिद्ध
सूर्यास्त _____:	18:08:53 घंटे	सूर्योदय कालीन करण _____:	वणिज
दिनमान _____:	10:53:31 घंटे	करण समाप्ति काल _____:	08:51:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____:	उत्तरायण	जन्म करण _____:	विष्टि
सूर्य स्थिति(गोल) _____:	दक्षिण	भयात _____:	26:48:23
ऋतु _____:	शिशिर	भभोग _____:	60:56:53
सूर्य के अंश _____:	25:55:30 मकर	भोग्य दशा काल _____:	शनि 10 वर्ष 8 मा 6 f
लग्न के अंश _____:	20:27:04 मेष		

DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

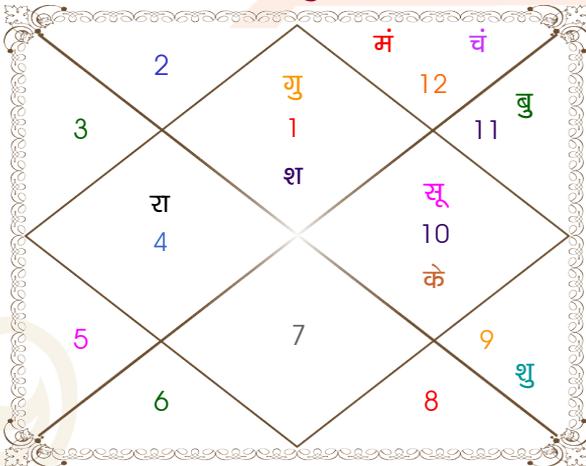
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मेष	20:27:04	---	--	--	--	नेक
सूर्य	मकर	25:55:30	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	मीन	09:10:07	सम राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	मीन	04:00:21	मित्र राशि	--	--	--	नेक
बुध	कुम्भ	12:25:35	सम राशि	--	--	--	नेक
गुरु	मेष	05:15:24	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	धनु	25:06:16	सम राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	मेष	17:09:34	नीच राशि	--	हाँ	हाँ	नेक
राहु	व कर्क	09:46:57	शत्रु राशि	--	--	हाँ	नेक
केतु	व मकर	09:46:57	शत्रु राशि	--	--	--	नेक

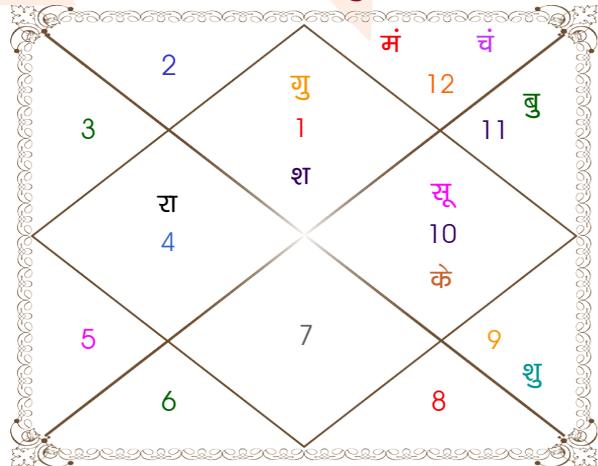
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य दसवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप किसी संस्था के प्रधान, जज, सरपंच, नेता भी हो सकते हैं। आप किसी से धोखा-फरेब नहीं करेंगे। सरकारी विभाग, नौकरी-व्यापार में धन-लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। नौकर-चाकरों का अच्छा सुख मिलेगा। राज्य पक्ष से लाभान्वित होंगे। आप बहुत वहम करेंगे। संतान पक्ष कमजोर रहेगा। 19 वर्ष की उम्र के लगभग पिता से दूर होना पड़ सकता है। आपको इज्जत, सेहत और दौलत का सुख मिलेगा। परिवार में कोई व्यक्ति उच्चपद पर संस्था प्रधान या सरकार द्वारा सम्मानित होगा।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, नंगा सिर रखने की आदत रही, अपना भेद दूसरों को बताया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। आप मशीनरी या लकड़ी से संबंधित नौकरी-व्यापार करेंगे तो हानि होगी। खानदानी विरासत और पिता का सुख कम मिलेगा। लकड़ी, लोहा, भैंसों से संबंधित व्यापार या काली चीजों के व्यापार से नुकसान होगा। आपके घुटने में दर्द हो सकता है। आपकी आंखों की नजर और उम्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ससुराल में रहना ससुराल पक्ष वालों के साथ कोयले, बिजली का धंधा करने से हानि होगी। सत्ता से परेशानियां भी रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपना भेद किसी को भी न देवें।
2. सूर्य की रोशनी नंगे सिर पर न पड़े।

उपाय :

1. सिर पर सफेद या शरबती पगड़ी या टोपी पहनें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा बारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपके मन की बहुत बातें पूरी नहीं हो सकती हैं या तरस-तरस कर सभी काम बनेंगे। आपकी पढ़ाई-लिखाई बहुत अच्छी होगी और आप बहुत होशियार रहेंगे। एक बात पर कायम नहीं रहेंगे या आपको बात करते-करते बात बदलने की आदत होगी। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ नहीं रहेगी। पढ़ाई-लिखाई का उपयोग आपके जीवन में कम होगा। वर्तमान समय अच्छा गुजरता रहेगा। भविष्य की बातें स्वप्न में देखेंगे। लोग आप पर विश्वास करके अपना भेद भी बता देंगे। आप उनकी बातों को गुप्त रखेंगे। आपके आश्वासन से लोगों को राहत मिलेगी।

आप अपने पूर्वजों के हालात बढ़ा-चढ़ा कर बताएंगे। अपनी कमाई का धन जमा रहेगा। 48 वर्ष आयु के बाद बहुत सुखी रहेंगे।

यदि आपने घर में हैंड पंप या पानी का साधन छत के नीचे रख, नीम का वृक्ष काटा, चाल-चलन ठीक न रखा, बुजुर्गों के काम को नष्ट किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आप बीते समय को याद करके अपना समय खराब करेंगे। जीवन में ऐसे काम भी हो सकते हैं जो अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसे होंगे। जमीन-जायदाद आदि का कोर्ट में झगड़ा होगा, फैसला बहुत देर बाद होगा और आपके हक में होगा। आपकी संतान निकम्मी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति नष्ट हो सकती है और आप मुसीबत पर मुसीबत उठायेंगे। खुशी के बाद की घटना खुशी को समाप्त कर देगी। आपकी आंखों पर बुरा असर पड़ सकता है। दिमागी परेशानियों के कारण नींद हराम हो सकती है। मातृ सुख का अभाव हो सकता है। आपको पानी से भय है आप अपनी और ससुराल की संपत्ति पर भारी पड़ेंगे। धन का नाश कर देंगे। आपके जीवन में दुःख का कारण परस्त्री हो सकती है। इस मामले में आप दुर्बल हैं। आप आलसी, धनहीन एवं अस्वस्थ रहेंगे आपको हर प्रसन्नता के बाद कोई न कोई दुःख भोगना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. छत के नीचे हैंड पंप आदि न लगायें।
2. बीता हुआ समय याद न करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी घर पर रखें।
2. 16 लीटर वर्षा के पानी में चांदी के चार चौरस टुकड़े को डाल कर रखें।
3. आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में रखें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में बारहवे खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से मंगल का अच्छा फल मिलेगा। आपकी आवाज बुलंद रहेगी। वैसे आप पत्नी, धन-संपत्ति से सुखी रहेंगे। पुत्र के जन्म के बाद आपका भाग्योदय होगा। शत्रु आप से बहुत भयभीत रहेंगे। 24 वर्ष आयु में पुत्र सुख प्राप्त होगा। आपका स्वभाव गर्म रहेगा। आप अपनी मनमर्जी से चलेंगे। आप गरीब से धनवान हो जाएंगे। मुसीबतें टल जाएगी। बीमारी से आपका बचाव होता रहेगा। आपका जन्म बहुत बड़े परिवार में होगा या आपके जन्म के बाद वह परिवार बड़ा हो जाएगा। स्त्री पक्ष से धन लाभ होगा। गुरु और ब्राह्मण की आप सेवा करेंगे। वृद्धों और निर्धनों की सहायता करना आपका स्वभाव रहेगा।

यदि आपने अपने पास हथियार रखा, सुबह उठते ही नमकीन चीजों या नमक का प्रयोग किया, परिवार के लोगों पर जुल्म किया, किसी का अहसान न माना तो आपका मंगल

DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके बारे में झूठी अफवाहें फैल सकती हैं। आपकी प्रकृति नीच रहेगी। पत्नी से अच्छा संबंध नहीं रहेगा या पत्नी सुख में न्यूनता आने की आशंका है। आप बुरी संगति से परेशानी में पड़ सकते हैं। अपनी बेवकूफी से अपनी नौकरी-व्यवसाय चौपट कर बैठेंगे। आपको नेत्र रोग हो सकता है। आपकी बांह पर चोट का निशान या विकलांग होने का भय है। नाड़ियों या खून का रोग हो ऐसी आशंका है। आपका धन बेकार के कामों में खर्च नहीं होगा। आपको चोरी और क्षति से सावधान रहना पड़ेगा। आपका बड़ा भाई हो तो वह 28 वर्ष आयु तक जीरो हो जाएगा या आपको उससे भाईपन न रहेगा। बड़ा भाई जीवित है तो कई बार जीवन से तंग होकर आत्महत्या करने का विचार पैदा होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. किसी पर भरोसा न रखें।

उपाय :

1. हलुवा या चीनी की रोटी खावें।
2. सुबह उठते ही शहद खावें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपकी गुणी और संपन्न संतान होगी। आपकी संतान का विवाह उच्च कुल में होगा। आपके जीवन के 1, 23, 33, 36, 44, 57, 73 84 एवं 94वां वर्ष शुभ और लाभदायक होगा। आप स्वयं हुनरमंद तथा शर्मसार होंगे। आपकी पूरी तरह तकदीर बनने की उम्मीद रहेगी। 34 वर्ष के बाद आप अच्छी प्रकार से जीवन बिताएंगे। आपको दोस्ती करने से लाभ नहीं होगा। आपको विदेश के व्यवसाय से भी लाभ हो सकता है। बुद्धि के कामों में आपको सफलता मिल सकती है। सरकारी पक्ष से लगाव, लाभ और सम्मान प्राप्त हो सकता है। आपको कसीदाकारी, चित्रकला, कलाकारी, अध्यापन या कानूनी काम से लाभ हो सकता है। विशेष रूप से आप अपनी बुद्धि का प्रयोग कर लाभ और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आपने बुरे या बदकारी के काम किये, चौड़े पत्तों का वृक्ष आपके घर में हुआ, साधू-फकीर से धागे ताबीज आदि लिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से जीवन के 39वें वर्ष में शारीरिक कष्ट की आशंका है। आपकी बहन अमीर घर में ब्याही जाएगी परंतु पति की वजह से दुःखी रहेगी। आपके बच्चों पर भी कुछ बुरा असर हो सकता है। आपके पांव में, कान में, जिस्म के जोड़ों पर बीमारी होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और

DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

उपाय करें।

परहेज :

1. चौड़े पत्तों का वृक्ष घर में न लगाएं।
2. पीतल खाली बर्तन बंद न रखें।

उपाय :

1. कंठी वाला तोता पालें।
2. तांबे का पैसा या चौरस टुकड़ा सफेद धागे में डाल कर गले में पहनें।

गुरु

आपकी कुंडली में वृहस्पति पहले खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप एक पढ़े-लिखे या उपदेशक या गुरु भी हो सकते हैं। आप विद्वान, अच्छी बुद्धि के संतानयुक्त, शासन द्वारा सम्मान पाने वाले बड़प्पन से युक्त होंगे। विद्या के माध्यम से अपनी आजीविका चलाएंगे। पैतृक धन से भी धनी होंगे। यदि आपकी शिक्षा कम भी हो तो फिर भी धन आपको प्राप्त होता रहेगा। आप पैसे की वजह से नहीं, करामाती गुण से सम्मान पाएंगे। आप ऊंचे लोगों के साथ रह कर अपनी दिमागी शक्ति और राजदरबार से संबंधित रह कर, सम्मान प्राप्त करेंगे। शादी के बाद आपकी अर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी और भाग्योदय होगा। आप अपनी कमाई से नया मकान बनवाएंगे। आपको बहुत जायदाद का लाभ होगा। आप स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। उम्र बढ़ने के साथ-साथ सुख में भी वृद्धि होगी। आपकी पत्नी आपकी आज्ञाकारिणी और सेविका रहेगी।

यदि आपने विद्या अधूरी छोड़ दी, लोगों की व्यर्थ निंदा की, मुफ्त माल, दान आदि से जीवन व्यतीत करना शुरू किया, छोटी आयु में शराब-बीयर पीना शुरू कर दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से अप्रत्याशित घटनाओं एवं अव्यवस्था से सतर्क रहें। विद्या में रुकावट हो सकती है, आपके पिता की मौत दमा या दिल की बीमारी या मानसिक रोग से हो ऐसी आशंका है। आपको श्वास या दमे की बीमारी होगी। प्रथम पुत्र संतान की प्राप्ति से अशुभ फल प्राप्त होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. बुजुर्गों का आशीर्वाद लेवें।

3. शिक्षा बी.ए. या समकक्ष अवश्य पढ़ें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र नौवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका भाग्य मंदा रहेगा। 25 वर्ष के बाद का समय अच्छा रहेगा। इसलिए 25 वर्ष की उम्र के बाद शादी करें। अमीरी होने के बाद भी परिश्रम से रोटी प्राप्त होगी। तीर्थ यात्रा करना संतान के लिए शुभ है। आपके पास धन भी होगा। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति की तरह हैं। आपको मन में शक्ति मिलेगी तथा धन-दौलत पर अच्छा असर पड़ेगा। नौकर-सेवकों से सुख मिलेगा।

यदि आपके घर में ढेक का वृक्ष, एल्युमिनीयम के बर्तन हुए, 25वें वर्ष में विवाह किया, छोटी आयु में मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विवाह के बाद से आपके पीछे दुःख लग जाएगा। स्त्री, धन-दौलत पर बुरा असर पड़ेगा, ऐसी आशंका है। आप दूसरों की मुसीबत और मंदी सेहत का जंजाल अपने ही गले लगा लेंगे। आप नशे की बुरी लत के कारण बीमारियों से तंग रहेंगे। आपकी धन-दौलत की बर्बादी का कारण भाई-बंधु बनेंगे। गुप्त रोग हो सकते हैं। लोगों से एतबार पर लेन-देन का फल मंदा हो सकता है। आपको खेती-बाड़ी से अच्छा लाभ नहीं होगा। आपके और आपकी स्त्री के लिए परेशानियां पैदा होंगी। आपके पास धन-दौलत इकट्ठी नहीं होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. 25वें वर्ष में विवाह न करावें।
2. एल्युमिनीयम का बर्तन प्रयोग न करें।

उपाय :

1. मकान बनावें तो नींव में चांदी के बर्तन में घहद भर कर रखें।
2. पत्नी को चांदी की चूड़ी पर लाल रंग करके बायें हाथ में पहनायें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि पहले खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपके जन्म के बाद आपकी पैतृक संपत्ति और पिता का धन बढ़ेगा। आप इंजीनियर, डाक्टर बन सकते हैं। आप शक्की स्वभाव के होंगे। लोहा/लकड़ी और नमक, आग से संबंधित कामों से अधिक लाभ होगा। आपके धन में वृद्धि होगी। आपके माता-पिता को धन की कमी नहीं रहेगी। आपकी आयु पर कोई भी बुरा असर नहीं पड़ेगा।

यदि आपने झूठ बोला और बदनीयती रखी, व्यसनों में मदहोश रहे, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपकी शिक्षा भी अधूरी रह जाए या इच्छित शिक्षा नहीं मिले, ऐसी

आशंका है। आप आलसी, अभावग्रस्त और अस्वस्थ रह सकते हैं। आपकी पत्नी, दौलत पर बुरा असर पड़ सकता है। आपके लिये खानदानी या जद्दी काम में बरकत नहीं होगी। आप चोरी, झूठ या धोखाधड़ी करने में भी पीछे नहीं रहेंगे। शरीर पर अधिक बालों का होना निर्धनता का सूचक है। आप अगर सरकारी नौकरी करते हैं तो नौकरी का फल विशेष मंदा रहेगा। सरकार से बहुत अच्छे लाभ का योग नहीं है। पत्नी को शारीरिक कष्ट हो सकता है। आपके साथ चोरी, धोखेबाजी, संतान को कष्ट या कुछ भी हो सकता है। माता को कष्ट और आपको दुःखी होना पड़े ऐसी आशंका है। आपका कारोबार बिगड़ सकता है या पिता-दादा के कारोबार का दिवाला भी निकल सकता है। भाग्य के बिगड़ने की आशंका है। आग से जलने का भय है। विद्या अधूरी, पेट में खराबी, धन की तंगी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. विवाह या पुत्र जन्म आदि पर खुधी के समय ढोल-बाजे आदि न बजाएं।
2. शराब पीना, मांस खाना और इश्कबाजी दूर रहें।

उपाय :

1. वीरान जगह में सुरमा दबायें (नौकरी-व्यापार में तरक्की के लिये)।
2. बंदर को गुड़ केला खिलायें (धन की तंगी के समय)।
3. वट-वृक्ष की जड़ के दूध का तिलक करें (स्वास्थ्य खराब के समय)।

राहु

आपकी जन्मकुंडली में राहु चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप सर्वगुण संपन्न, धनवान, और आयुवान होंगे। आप तीर्थ यात्रा करेंगे। आप एक सज्जन पुरुष होंगे तथा अपना जीवन सुख से बितायेंगे। आप अपार धन-संपत्ति के मालिक बनेंगे। आपको अपने सगे संबंधियों से भी धन-दौलत प्राप्त होगी। आप दूसरों की भलाई करेंगे आप भले लोगों की गिनती में गिने जाएंगे। आप धर्मात्मा, वाहन सुख से युक्त होंगे। आप अपनी बहन और पुत्री पर धन खर्च करेंगे। आपको ससुराल से भी धनागम होता रहेगा। आपको सरकार पक्ष से पूरा लाभ होगा तथा अपने बुजुर्गों का घर भर देंगे। ससुराल में भी धन की वृद्धि होगी। आप के पास 24 वर्ष की उम्र के बाद धन एकत्र होगा, गरीबी दूर हो जाएगी और धन की वर्षा होगी। आपके पिता और आपके पुत्र पर अच्छा असर पड़ेगा परंतु माता के लिए अशुभ होगा। आपके पास भूमि, भवन, वाहन सभी प्रकार के सुख-संसाधन उपलब्ध होंगे। यदि आप सरकारी महकमे में कार्यरत होंगे तो सरकारी महकमे में बड़े अफसर होकर अच्छा ओहदा प्राप्त करेंगे। आप जन्म भर सुखी रहेंगे। बंदूक-पिस्तौल आदि रखने का शौक होगा।

यदि आपने पाखाने की जगह बदली, घर की छत पर लकड़ी के कोयले रखे, सीढ़ियों के नीचे रसोई बनाई, माता की आयु की स्त्रियों से संबंध रखे तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके जीवन का

34वां वर्ष कष्टकारी होगा। माता को कष्ट की आशंका है। आप माता का विरोध करेंगे। ससुराल, ननिहाल के लिये अशुभ रहेगा, राजदरबार में हानि, दो विवाह योग या पत्नी के साथ रखैल रखें, ऐसी शंका है। रखैल पर धन बर्बाद करके अपना जीवन नष्ट कर लेंगे। आपको वाहन दुर्घटना का भय रहेगा। दिन में स्वप्न देखने वाले होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. माता की आयु की स्त्री से अवैध संबंध स्थापित न करें।
2. गंगा नदी में स्नान न करें।

उपाय :

1. घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2. सूखा धनिया जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान, नौकर-चाकरों से युक्त, उत्तम सुख से परिपूर्ण तथा अपने पथ पर अग्रसर रहने वाले होंगे। आप इतने अच्छे मुकद्दर के हैं कि आप मिट्टी छुएं तो सोना हो जाता है। 24 वर्ष की उम्र के बाद संतान प्राप्ति योग होगा। आपको कन्या संतान से सुख और पुत्र संतान से मध्यम सुख संभव है। आपको पुत्र का सुख प्राप्त होने की आशा है। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। निर्धनता कभी भी नहीं आएगी। आप शक्की स्वभाव के हैं। आपके जीवन में 48 वर्ष आयु तक समय तो मिला-जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिला-जुला कर आपका जीवन सुखमय ही रहेगा।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, पर स्त्रियों से अनैतिक संबंध रखें तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से आपका चाल-चलन ढीला हो तो पुत्रियां अधिक होने, नपुंसक होने की संभावना रहती है। निःसंतान या संतान गोद लेने का योग होता है और जिससे आपको बहुत ही पीड़ा भोगनी पड़ सकती है। आपके भाई आपको गढ़े में धकेल सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग करेंगे। पराई औरत से संबंध आपके दांपत्य सुख में बाधा पहुंचा सकते हैं। आपके जीवन के लिए घातक और मौत का कारण सिद्ध हो सकता है। 48 वर्ष के लगभग पुत्र सुख मिलेगा या माता की आंखें खराब होने पर या माता की मौत के बाद पुत्र जन्म हो ऐसी संभावना है। धन का अपव्यय या अवनति होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

उपाय :

1. मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-छगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर

काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे एक-एक नारियल उसी दिन जल में प्रवाह करना चाहिए।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

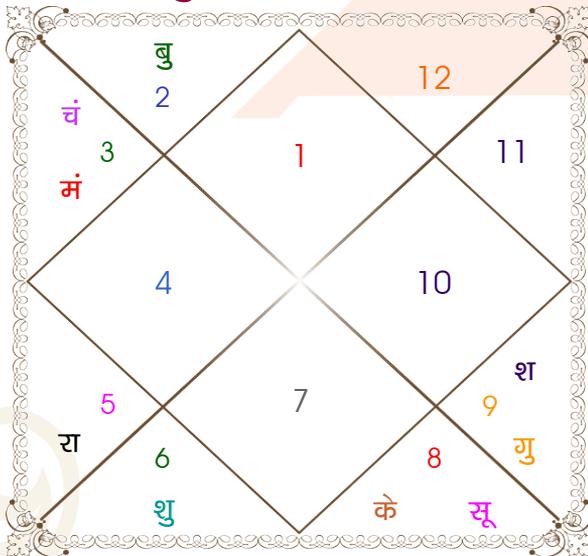
वर्तमान आयु - 27
वर्तमान दशा - शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	मन्दा

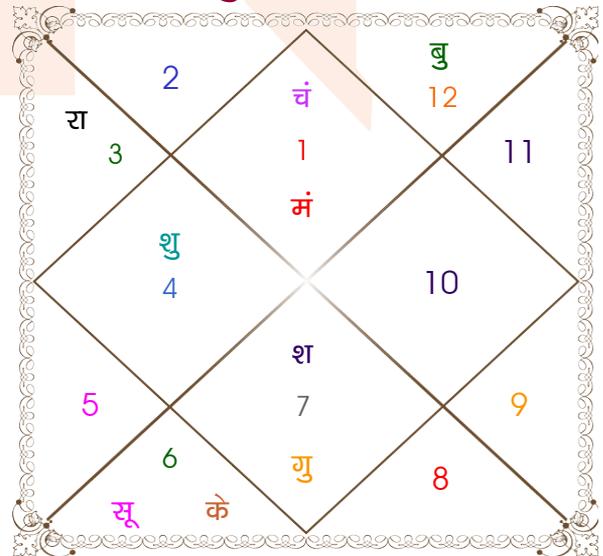
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--									

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष चाल-चलन खराब हुआ तो गुप्त रोग से दुःखी हो सकते हैं। गंदी सोहबत से आपके सम्मान पर धब्बा लगेगा और धन नष्ट हो, ऐसी आंशका है। अतः आपको इन बातों से बचना होगा। जहरीले कीट-पंतगे के काटने का भय है। टैक्स विभाग की चिंता रहेगी। चोरी-छगी भी हो सकती है सतर्क रहें।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बड़े भाई की सेवा करें या गाय की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 3 शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चरित्र सुधरेगा और पराक्रम बढ़ेगा, चोरी से बचाव होगा। विद्या अच्छी रहेगी। 3, 6, 8, 12वां मास अधिक लाभदायक होगा, कुदरत खुद आपकी किस्मत बनाने में सहायक होगी, गरीबों से आपकी हमदर्दी रहेगी, किसी अंतर्राष्ट्रीय खेल में आपकी रूचि रहेगी या खुद भी उस खेल में हिस्सा ले सकते हैं।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बहन-भाई से झगड़ा न करें।
2. यतीमों के लिये मिला सामान हड़प न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दूसरों की सहायता कर के प्रसन्नता प्राप्त होगी मगर जरूरी नहीं कि दूसरों की सहायता के बदले में आपको सम्मान मिलेगा, आपको कसरत करने या जिम आदि जाने का शौक रहेगा, मुकाबले की विद्या (प्रतियोगी परीक्षा) में आपकी जीत होगी, नर्म स्वभाव रखेंगे तो आपको लाभ मिलेगा। धन-परिवार/संतान का सुख मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पेट का विशेष ध्यान रखें।
2. हाथी दांत न रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता-दादा से धन लाभ होगा, आपको ज्ञान की बातों में अधिक रुचि रहेगी, बातें करते-करते बात बदलना आप की आदत हो सकती है। अपने भाग्य को चमकाने के लिये आपको अधिक मेहनत भी करनी पड़ सकती है। इस वर्ष हाजिर जबावी की कला आप में विद्यमान रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध।
2. धागा-ताबीज, जल, भभूतियों से दूर रहें।
3. तोता, भेड़-बकरी न पाले।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अपने पूर्वजों के द्वारा लाभ होगा, ज्योतिष और गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। परिवार के लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। आप दुनिया में अपने परिवार का नाम चमकाएंगे। जौहरी/सर्पफा के कामों से लाभ हो सकता है। आपकी आदत राजाओं जैसी बनेंगी। प्राण जाये पर वचन न जाये ही आपका धर्म होगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किया हुआ वायदा पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कामपूति के लिए स्त्री की प्रशंसा करेंगे और स्त्री की गुलामी भी करनी पड़ सकती है। धन का लाभ बहुत होगा। पुत्र संतान की बजाय कन्या संतान का सुख मिलने की आशंका है। जन्मदिन के बाद धन वृद्धि भी होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा और वाहन सुख प्राप्त हो सकता है।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. स्त्री जाति का अपमान न करें।
2. पत्नी नंगे पैर ज़मीन पर न चले।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना रहेगी, भाई-बंधुओं का सहयोग मिलेगा। कर्ज का बोझ आप में नहीं रहेगा। पैसे के प्रति आप की दौड़ नहीं रहेगी। पत्नी के नाम पर काम शुरू करने से लाभ होगा, मकान-वाहन का सुख मिलेगा। तीसरा रिहाइशी मकान न बनावें वरना स्वास्थ्य को खतरा होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. दूसरों के माल पर बदनीयत न रखें।
2. घर की छत पर ईधन-चौगाठ आदि न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्यार्थी संबंधी कामों में परेशानी, पत्नी से झगड़ा-तलाक या जुदाई तक हो सकती है जो आगे चल कर आपको कष्टकारी बनेगी। दूसरी पत्नी से संतान सुख नहीं मिलेगा इसलिये पत्नी से संबंध विच्छेद न करें। पहली संतान (लड़के) का सुख शककी है, भाई अमीर निःसंतान या उसे संतान की चिंता रहेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट पर खड़ा करके घर में रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।
3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें (पुत्र सुख के लिए)

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपके लिए इस वर्ष शराब-मीट का सेवन हानिकारक है। खराब चाल चलन या अनैतिक संबंध गुप्त रोग देगा। संतान सुख चाहते हैं तो चाल-चलन ठीक रखें। संतान की चिंता रहे ऐसी आशंका है। कारोबार में हानि और यात्रा में परेशानी या अपव्यय होगा। किसी को अपना भेद न बतायें, कारण आपका भेदी तबाह करेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले-सफेद कंबल धर्म स्थान में देवें (संतान की लंबी आयु के लिए)।
2. काले-सफेद कंबल के टुकड़े में केतु के साथ बैठे ग्रह की चीज बांध कर शमशान में दबायें (जब बच्चे जीवित न रहते हों)।

- (1) सूर्य-गेहूँ, (2) चंद्र-चावल, (3) मंगल-दाल मसूर, (4) बुध-मूंग, (5) गुरु-चने की दाल, (6) शुक्र-चरी, (7) शनि-काली उड़द, (8) राहु-जौं, (9) केतु-काले-सफेद तिल।
3. कुत्ते को भोजन का हिस्सा देवें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- बड़े भाई सगा मामा/चाचा-ताया को उपहार दे कर आशीर्वाद लेवें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

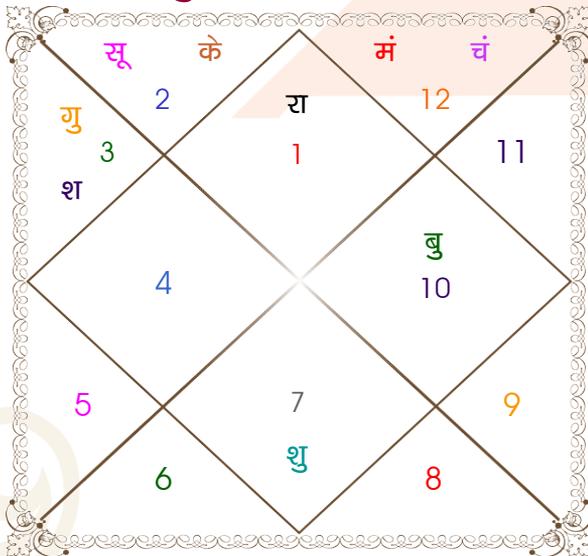
वर्तमान आयु - 28
वर्तमान दशा - शुक

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	हाँ	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	हाँ	--	नेक

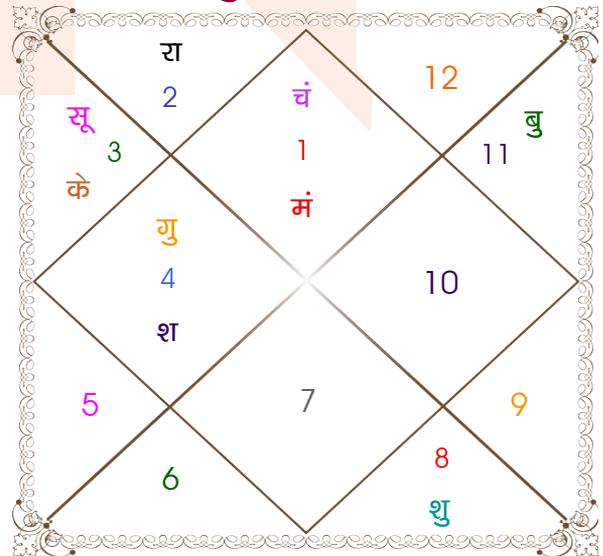
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से इस वर्ष किसी की अमानत को हड़प करने से आपका आने वाला समय खराब हो सकता है, किसी से दूध, चावल, चांदी आदि मुफ्त या दान न लेवें। चाल-चलन खराब या अनैतिक रखने से आप की अवनति हो सकती है। धन/जमीन/स्त्री के झगड़े में न पड़ें इससे धन-मान की हानि हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बादाम, नारियल या सरसों का तेल धर्म स्थान में दें।
2. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके सभी काम तरस-तरस कर बनेंगे, विद्या संबंधी कामों में रुकावट हो सकती है, आपकी बात बदलने की आदत बनेगी, व्यतीत समय की बातें लोगों को सुना कर अपनी बढ़ाई करेंगे। 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' जैसी कहावत आप पर चरितार्थ हो सकती है। मुकददमें हार का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी घर में रखें या आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में कायम करें।
2. 16 लीटर वर्षा का पानी कनस्तर में भरकर 4 शुद्ध चांदी के चौरस टुकड़े डाल कर रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी समाज में आवाज बुलन्द रहेगी, शत्रु मुंह की मार खायेंगे, मुसीबतें टल जाएगी, गुरु निर्धन-ब्राह्मण की सेवा में तत्पर रहेंगे, आप अपनी मनमर्जी के अनुसार कार्य करेंगे, किसी से दब कर नहीं रहेंगे। मीठा-भोजन या मिठाई आपको अधिक पसन्द रहेगी। मुकददमें जीत या सरकारी विभाग से लाभ से लाभ हो सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. लोग आपका नमक खाकर नमक-हरामी करेंगे, सतर्क रहे।

DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा, बुआ,बेटी,,साली,बहन की तरफ से खुशी मिलेगी। आप लोगों से व्यवहार कुशल, खुशामद और नीति के द्वारा सब काम निकलेंगे, अनेक विद्याओं में रुचि, आपके परिवार की और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध
2. तुलसी, मनी प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
3. शराब आदि न पियें। मछली न खायें और मछली का शिकार न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष भाई-बन्धुओं का सुख मिलेगा, आप जिस पर मेहरबान होंगे उसको बहुत लाभ होगा। बुजुर्गों की सेवा में अपना धन-दौलत न्यौछावर कर सकते हैं। कारोबार में तरक्की मिलेगी। आँख की होशियारी से दूसरों के अच्छे-बुरे व्यवहार को जान लेंगे। आप धार्मिक कामों में अहम भूमिका निभायेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सूखा या कटा पीपल घर में न रखें।
2. घर में मन्दिर हो तो उसमें दोनों समय पूजा अर्चना करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मकान-वाहन का सुख मिलेगा। काले रंग की स्त्री का साथ, आपका भाग्य को जगाने और आपकी तरक्की में सहायक हो सकती है। विवाह से संबंधित चीजों के कारोबार से लाभ मिले। जददी घर से दूर जाना पड़ सकता है। पत्नी-माता में मां-बेटी जैसा संबंध रहेगा। पत्नी सुशीला और सेवा करेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके हाथों से खर्च अधिक होगा या धन की कमी रहेगी। आप सबकी मदद करेंगे मगर लोग आपका कार्य बिगाड़ सकते हैं। लोहा, मशीनरी से संबंधित कार्यो से लाभ होगा। आप साहसपूर्ण कार्य करेंगे जिसके कारण आपको जोखिम भी उठाना पड़ सकता है।

शनि की शुभता बढ़ाने निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मछली का शिकार न करें, मछली न खायें। शराब न पिये।
2. कीकर या बेरी का वृक्ष घर में न लगायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकार या सरकारी विभाग द्वारा लाभ, ननिहाल के लिये समय ठीक, नया कारोबार भी शुरू हो सकता है। आप में कुछ रिश्तत लेना या करप्शन सोच आपके दिलो-दिमाग में आ सकती है। आपको हर समय बोलते रहने की आदत या बीमारी भी हो सकती है, इसका ध्यान रखें।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. आंगन में धुआं न करें।
2. पेट मोटा न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष यात्रा करने से धन लाभ व मान-सम्मान बढ़ेगा, दलाली या कमीशन एजेंट के कार्य से लाभ होगा। आई-चलाई चाहे लाखों-करोड़ों रूपयों की हो मगर हिस्से में दलाल की दलाली की तरह धन लाभ होगा। सरकार से वजीफा या सरकारी विभाग से धन लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चान चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. नकली सोना न पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- नारियल या तेल या बादाम धर्म स्थान में देवे।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)